

वाभता,(১) त्याः कप्रदूत कवित्र, (२) पाष्टावृत्वत कवित्र, विकास ह केळ तुन कवित्र, (०) हानिया बाहुन, वित्र : विकास क्षातारं, वर्ष पार-०० यह वाकापानी त्यन, वाना-एत्यकारी, विवर- एः हा, वानीप्रवी-वारनात्मनी, वर्ष्य- वेमनाप, विमान-दहसात्रही ७ वृष्ट्यर्थ।

निध সুক্রেকারী বাংলাদেশের আনুগতা সুক্তিরে স্থায়ী বাধিন্দা ও জাতীতে বাংলাদেশী বর্তা। ইএ সংগ্রাহ স্থানর শাশগতি হস্তানুত তারিবলি শ্বা গরী হলাহ মাধাশংধ্যান্ত স্বিনাল।

- ১। एवं चनावत मणनिक श्रमुन्त कहा वरेटा :-
- (क) विश्वापादशादम्। मालाने वार्षेन ১৯०६ माना वार्षे अधादम् ४२ वादमान वार्षे माद्र ।
- (ग) हार पित्र प्रश्विक प्रमाणविक अदिव ३६०६ महावन ताल्ये अधारव तक व महाप्राम त तृता वितिष्ठक वृत्त ।
- (१) अहातित रशन वारेस्न तारा नद्रवाद्व रहाग्र नारे ।
- তে দ্বিতে নির্নি লাবে তর্লিত হই য়াকে ভাছনত মুনা কেব কোলাবেনা হল নাই ভালবোলাযের হল্নানুর।
 করিবার অধিকার লাছে ।
- ২। এলচাবিত হত্তানুত্র বাংলাদেশ ভূমিত লক্ষ্মিত দীঘা নির্মারণ কাইন ১৯৭২ দনের রাশ্ট প্রধানের ১৮ বাং বানেকের ৫০০১ ধারা ধনুষাত্রে গানিক বোলা মধ্যে।

वार्यः अविस्था तुर्वक विनित्ति दयः, वेषद्याक्त वर्णमा सामान्त्र त्यार क् विश्वात गरः भवूनं सहरः वार्यस्य वार्यस्य द्वार्यस्य व्यवस्थाना वार्यस्य व्यवस्थाना वार्यस्य विश्वातः वार्यस्य व्यवस्थाना वार्यस्य व्यवस्थाना वार्यस्य व्यवस्थाना वार्यस्य व्यवस्थाना वार्यस्य व्यवस्थाना वार्यस्थाना वार्यस्

স্থাত্তরারীর ভ্রান্তর হ

रनक्कालीत युक्तः

major normy norm

4/2011-86 - 20-1-86